

"स्पन्दन"

भास कोंकणी आवसु आमची। लिपि देवनागरी उडगासु दवराची।।

Date of Publication : 1st SEPTEMBER 2015





























केरळ कोंकणी अकादमी
कोच्ची

पाँच रुपया

मुखेल संपादक
सुरेश ए. शेणै

उप संपादक
पी. मनोहर

कोशाधिकारि
आर. के. प्रकाश

वाँगडी
जी. मोहन राव

न्यायोपदेशक
अड.वी.एन. वसन्त कुमार

प्रचार-प्रसार
टी. आर. सदानन्द भट

Layout by :
K. Santhosh
Mob : 9895212521

मुखचित्र : 8-8-2015 कोच्ची YNP Trust न्तु दोवोर्नु चम्किल्ले "राम बाळा जो, कृष्ण बाळा जो" ह्या कोंकणी गिता विडियोचे प्रकाशन अनि प्रदर्शन कार्यक्रमु। नृत्योपासना डान्स स्कूळाचे लोक नृत्य। कोंकणी नाटक 'वप्पाली वण्टो'- मुख्य चित्रँ। (Photo : N. Balakrishna Mallya)

प्रति - ₹ 5/-
वार्षीक - ₹ 60/-

स्पन्दन

प्रकाशन : केरळ कोंकणी अकादमी, कोच्ची



SPANDAN

Published by :
KERALA KONKANI ACADEMY
8/28, 'Santhery', 1st Floor,
Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road,
Cochin - 682 002. Mobile : 94477 35849
Email : keralakonkaniacademy@gmail.com

खंड : 4 अंक : 9 1937 भाद्रपद

संपादकीय

शास्त्र सांकेतिक ज्ञान, राष्ट्राचे उन्नतीक जांवका जावनु प्रयत्न केल्लोलो एक असाधारण व्यक्ति, भारताचे 11-वे राष्ट्रपति, भारताचे मिस्सैलांचे पिता डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलां दिवंगत जालो म्हळेले दुःखान नन्तना उडगास कोरूक जांवचिना। विद्यार्थ्यांक, युवकांक, अपण्यांगेले भावी पसून सपन दिक्कूक सिक्कोवनु तांका चांग मार्गारि हाडूक कलामालो वण्टो प्रशंसनीय अस्सा। 21-चे शतकान्तु भारताक अतिशीघ्र मुक्कारि वचाक, भारताचे सुशोभन भावी सपन दिकिलो असाधारण व्यक्ति म्हणु कलामाक राष्ट्र केदनांयि उडगास करतले। तमिलनाडान्तु रामेश्वर गावान्तु एक निर्धन कुडुम्बान्तु जन्मा येयिले कलामान, स्वप्रयत्नान वाडूनु भारताक लोकान्तुले एक उज्वल शक्ति जांवचाक व्होड योगदान दिल्लें। सरळ, शान्त जल्यारीयि भीरु न्हय म्होणु पोखरान अणुविस्फोट कोर्नु जाणेय्लें। चेर्डुवांकय, मलगड्यांकय मार्गदर्शनय प्रचोदनय दिंवचाक तांका जल्लें। भारताचे राष्ट्रपति जल्लेले वेळारीय जनां मर्ध्ये प्रवर्तन कोरचें कलामालि रीति अस्सिली। "ह्ये गावान्तुले एक कायरींय सम जावना" म्हणु सांगूचे निराशावादींक खण्डन कोरनु भारत जनतेक कलामान दिल्लेलें एक धार्मिक शक्ति। तंका "भारतरत्न" (1997) दीन्नूय "राष्ट्रपति" कोर्नूय सरकारान आदर केल्लेले उत्तमोचित अनि समयोचित प्रवृत्ति तँ अस्सिल्ली। ह्ये अत्भुत प्रतिभाशालीक आमचे प्रणाम।

कोच्ची, 01-08-2015 सुरेश ए. शेणै, मुखेल संपादक.

बहु दुःखाचि खबर....

देवनागरि लिपीन देव्नु एत्ताले एकॅएक कोंकणी दिनपत्र **“सुनापरान्त”** रब्बून गेल्लें। 28 वर्षांक अभिमानान चोल्नु एत्ताले ह्यें एकाएक 01-08-2015 क बन्ध जल्लें। कोंकणी जनानि तात्पर्य काणु ह्यें पुनः चालू केल्यारि उचित अस्तलें म्होणु अम्का दिसता।

‘स्पन्दन’ मासिक ह्ये मासान पांच वर्ष पूर्ण जात्ता। हाका लागून एक दिवसीय सम्मेळन कोच्चीन्तु दोवोर्नु आयोजित कोरचाक केरळ कोंकणी अकादमीचे कार्यकरिणी सभेन निर्णय कळ्ळा। अधिक जाणकारि मुकावेले अंकान्तु।

केरळ कोंकणी अकादमीन कोच्चीचे एल.पी. स्कूळान्तु थाकूनु कोंकणी विषयान्तु चड अंक घेव्नु उत्तीर्ण जांवचे विद्यार्थ्यांक दीवनु येंवचे पुरस्कार ह्या वर्सा आगस्ट 19 तारिकेक वितरण केल्लें। पुरस्कार फाव जालेले चेर्डुवांले नांव अस्सी - 1) घनश्याम एल. पै, 2) गौरी जी. मल्या, 3) वैष्णव डी. नायक।

9-8-2015 शिमोगा - कर्नाटक कोंकणी साहित्य अकादमीचे आर्थिक पाल्वान ‘कोंकणी सांज’ कार्यक्रमु चम्केय्लो। देवज्ञ ब्राह्मण कोंकणी संस्था “गीत भंडार” हन्निं तँ कार्यक्रमु आयोजित केल्लेलें। सुमार 800 जन उपस्थित अस्सिल्ले। साहित्याक प्राधान्य दीव्नु अस्सिल्ले रंगारंगी कार्यक्रमान्तु 50% पस्सि चड सान प्राये चेर्डुवं तँ अस्सिल्लिं।

गोंय :- अंत्रुज घुडयांचें दोनि दिस्साचें **“नाट्य शिबिर”** 8 अनि 9 आगस्ट 2015 क फोंडें तालूकांतुले बांदोडेच्या स्नेह मंदिरांत जल्ले। 90 महाविद्यालयान्तुले विद्यार्थियांनि भागु घेत्तलो।



9-8-2015 रवीन्द्र कलाक्षेत्र, बंग्ळूर :- शिल्प-कलेक दिल्लेले योगदानाक बस्ती सदाशिव शेणै हंका **“आर्यभट्टा इन्टर्नाशनल अवार्ड - 2014”** दीव्नु सन्मानु केल्लो।

उडुप्पीन्तु 2015 नवेम्बरान्तु अखिल कर्णाटक कोंकणी महिळा सम्मेळन घडेय्तात म्होणु संतोषाचि खबर।

फा. फ्रेडि डिकोस्ता मेमोरियल ट्रस्ट अनि कोंकणी भाशा मंडळ एकडे मेळनु कथा लेखकां खातीर एक कार्यशाळा 30 आगस्ट 2015 क आयोजित केल्लें। रवीन्द्र भवन, मडगांवच्या ब्लॉक बॉक्सांतु तँ फेलिस्युबाबाच्या उडगासाक अस्सिले ह्यो कथा लेखन शिबिर।

सुमनांचें स्मरण - 6

कृष्ण नारायण नायक, कोच्ची



"पद्माक्ष"



पूजे मोर्धे भडमामान सांगूकनिक पद्माक्षा कोळ्यां पोळेरु अबोन लागि कळ्ळो। आयान फुल्लायलीं। तें चोवनु सुप्रभायि सिकीली; तिका सन्तोष जालो। अबोन फूडेचि सांगून दिलीलीं कायरीं तिजे मनान्तु उदेलीं। श्रीकृष्ण जयन्ति उत्सवाक प्रधान फूल पद्माक्ष ! पद्मनाभु कमलाकान्तु अरविन्दाक्षु.... तसलि मस्त नावँ देवाक ! एक हतान्तु देवान पद्माक्ष धल्याँ। जत्ता चिकलान्तु पुण थेंबो उदाक ताजेरि राबूना। ताजो केसर भागु औषधी व्होयरी खंय ! सिस्सरि घासु सोणा जांवचाकनिक सोण्डाळेन लागीचें एक पद्माक्ष समर्पून, गजेन्द्रान देवाक प्रत्यक्ष केल्लो। रूक कोरान्दूचो भोवरु पद्म गन्धान्तु मुग्ध बेसून तें कवळतरि फटवता। कला साहित्य शाखोपासकांक पद्माक्ष उदात्त भावना जागैता। अंबुजानुबन्ध नावँ उभय मानव विभागान्तु आत्तांयि प्रयोगारि आसय। शेषशायीले नाभीकमलान्तुल्यान ब्रह्म उपजलो ! पद्मासन योगविद्येन्तु मुख्य। तिरुमलेशु वेंकटपति पद्मावतिपति ! पद्माक्षा पर्यायपद एंवचे गीन्त श्लोक आयकय्लेलें तिजे कान्नान्तु गुन्जतायि...।

"सुप्रभा, आजी खोर्कोट्या खांवनात्तिल्यांक अर्घ्यांक आपेयि", आरति जांवचाकनिक भडमामान खुशालिन सांगीलें। "भडमाम आजी हांगा सगटांक फळारु तं", सनीचि तिगेल्या चन्द जापेरि सग हस्सीलिं। भडमामान रस्पति सोळीना, "हांगा दिंवचि अर्घि देवाक कसि पांवतलि सुप्रभा ? सांगवे ? चुकूनातिलें नम्बर दाम्बून दुरभाषण कर्तायि कसि, तसीचि श्रद्धेन मनान दिल्यारि अर्घि थांगा पावतलीं।" पद्माक्षा पतियेन मन्त्रोक्त क्षीरार्घि दित्तासणा, भडमामाले उद्बोधनान तांचे हृदयान्तु भक्ति जागैली ! ❁

कोंकणींत पदयुत्तर पदविका शिकप (टप्पाला मुखांतर) :- कोकंणी संस्था सां. लुवीस महाविद्यालय, मंगळूर (Institute of Konkani, St. Aloysius College, Mangalore) हन्त्रि ह्यो सपटेंबरांत (2015) प्रारम्भ जांवच्या दोन वरसां आवदेच्या शिकपणाक अरज्यो आपेयलांय। अर्हता - कनिष्ट पी. यु. क्लास पास सर्टिफिकेट। शिषण शुल्क - पयल्या वरसाक - रुपय : 910/-, दुसर्या वरसाक : 1000/-. चडित जाणकारिक :- Ex. Director, Konkani Institute, St. Aloysius College, Mangalore - 575 003. Mob : 09845083148

संत केशवदासालि हितोपदेश कथा – 6

प्रो. वी. शिवानन्द भट,
पंचाब्जपुरम

"विश्व थकून विश्वेश्वर थांय"

बालक आसतना संत एकनाथ महान गुरु जनार्दनालगि गेलो। शिष्य कोरका म्हणु विनंती केली। परन्तु गुरून तका निज घराचे कार्यालयान्त मुंशीचे काम दिलें। शिष्य एकनाथ सत्यान अपण्यालें कर्तव्य करतालो अनी लेक दवरतालो। एक दिवसाक ताणे लेकान्तु ऊणावु दिकलो। होड्डु रकम न्हय आसलें जल्यारिय लेक सम अवश्य कोरका म्हणु लेकलें। ऊणावु सोद्दून काड्डूक ताणे राति पूरा प्रयत्न केलो। सात घंटेचे एकाग्र प्रयत्नान ताणे ऊणावु सोद्दून कळो। होड संतोषान तो नांचूक अनि गावूंक लागलो। प्रभात समय आसलो तो। तागेलो गुरु जागलो। एकनाथ ते वेळेरीय परमानन्दान नांचतालो। गुरून प्रश्नु करूक ताणे सर्व वृत्तान्त सांगलें। तागेली कर्तव्यपरायणता अनी एकाग्रता दिकून एकनाथ मंत्रोपदेशु ग्रहण करूक योग्य म्हणु गुरून लेकलें।

गुरून एकनाथाक सांगलें - "पुत्ता ! जो मानव समर्पण भावेन निज कर्तव्य करता तो उच्चतर शिष्यत्व स्वीकार करूक अपण्याक फाव अथवा समर्थ करता। लेकाचे विषयांत एकाग्रता दाकयलेले कारणान तुका उणे पैसा मेळो जल्यारि ताजी एक अंश एकाग्रता देवारि दाकेयलि जल्यारि तुका महान ज्ञान मेळता। देकून क्षणिक लोकांत थकून तूं तुगेले ध्यान दूर काणु अनश्वर शाश्वत परमात्मारि ध्यान एकाग्र करि।" गुरून तका शिष्य जाव्नु स्वीकार केलो अनी पश्चात एकनाथ महान सन्त जालो।

सारांश - *लौकिक विषयान्त एकाग्र जल्यारि क्षणिक सुख मेळता, परन्तु तीचि एकाग्रता ना ताजे एक अंश एकाग्रता सत्यारि दाकेयल्यारि ईश्वर साक्षात्कार प्राप्त जात्ता।* ❀

कोंकणी - മലയാളം - English

- शैलेष कम्मत. एम., कोच्ची

वोय्दु/ वैद्यु - വൈദ്യൻ - Physician / Doctor
वोय्जि - വയറ്റാട്ടി - Midwife
वोक्कदॅ - ഔഷധം - Medicine
गूळि - ഗുളിക - Pill
मात्रा-മാത്ര-Quantity / Measure/Dose
देण्णं - രോഗം - Disease
देण्णकारि /कार्नि - രോഗി/ണി - Patient
वोय्दिका - ചികിത്സ - Medical treatment
चिकित्सालय - ആശുപത്രി - Hospital
वोकदा अंगडि - മരുന്നുകട - Medical shop
शस्त्रक्रिया/शल्यक्रिया-ശസ്ത്രക്രിയ-Operation
शस्त्र वैद्यु/शल्यचिकित्सकु- ശസ്ത്രക്രിയ വിദഗ്ദൻ - Surgeon



पंचतंत्र कथा



(अथवा नीति शास्त्र)

कथा - १ भागु (आ)

संपादक - जी. पी. कामत, नोयडा

"जल्यारि तू अयकून गे।" करटक संगतोलो जल्लो। "मस्त काळ फूडे एक ग्रामान्तु देवालया निर्माण चंकतालें। मध्यह्न समयारि, दंदेली खाण खाव्नु विश्रमाक गेल्ले। ते समय चोव्नु थंगा लगि अस्सिले वनान्तु थकून एदीं मंकडं अयलीं। जन कोण ना देक्कून मंकड धाव्नु उडून खेळनु मस्ति कोरूक लगलीं। तंतु एक मंकडा दृष्टि फळे कोरूक चिरताले एक व्होळ्ळे रुकाचेरि पळ्ळि। रूकु चीर्नु अस्सिलेकडे एक पूळु सिरकाव्नु दवर्ला ताणे देकीलें। मंकडाक उद्वेगु जल्लो। ते कसले म्होणु पोळोवंचाक ते रुकारि चळ्ळो। स्वल्प समयाक ते मन्नांतु काणु तो पूळु चोव्नु बेस्सोलो। तगेलो मरण कालु पवलो म्होणु संगूयात। मंकडान पूळु धोर्नु हल्लोवंचाक आरंभु केल्लो। दिडीर जाव्नु पूळु निस्सोर्नु हथां आयलो। चीर्नु अस्सिलीं फळिं एकडे जल्लीं। मंकडालि वृष्ण फळ्या मधे चिर्डून ते मरण पवले।"

"ते खत्तीरी तू आवश्य नत्तिलेकडे हातु घालूक वोच्चूनक्का। अंका जावंका जल्लोलो आहार मेळता। मगिरि कसले ?" ये आयकतना धमनकान स्वल्प जाळत्यान संगीले, "अरे करटक, पोट भोरचें मात्रं वे तुगेलो उद्धेशु ? एक चंगपण कार्य कोर्का म्होणु नावे ? आश्रितांक आवश्या वेळेरि सहायु कोर्का।" करटक - "धमनक, अंका राज-दरबारारि कांयि स्थान-मानु ना। काम जल्यारि अस्सवे ? न ! मगिरि राज सेवा अम्मि कस्सी करतलीं ?" धमनक - "अरे रायालि सेवा कोरूक स्थान-मान-काम अजे आवश्य ना। प्रयत्नु मात्रं कोर्का। धैर्य, बुद्धी, मधुर भाषण कोर्चे मनुष्याक खंचेय गावान्तु जीवन काड्यात। रायु, स्त्री, वालि ये तिन्नीय लगि कोण, इत्ते असवे तक्का आश्रयु पवंताय। दुसरे, रायालि सेवे वच्चे फूडे रय्यालि मानसिक अवस्था - दुःख की सन्तोषु, हाजि जाणकारि कोर्का। रय्यान दिल्लेलें पारितोषिकाचे सदुपयोगु कोर्का। रय्यान युद्धा वच्चे वेळेरि रय्या मुक्कारीय, पटणप्रवेशाक मगलानय चोंवुकुका। राज सभेरि व्होड्डान उल्लोवप जावो, हस्सप जावो पाणा। रय्याले बन्धु जनानि अहित संगल्यारीय क्षोभु कोरु नज। उल्लोवंचि उत्तरं बुद्धिपूर्वक जल्यारि तक्का फल मेळता। राज प्रीतीक ये अत्यावश्य।"

(शेष लगी अंकान्तु)

DD 9 - चन्दना : 26-7-2015 कोंकणी ओव्यो, 1-8-2015 जी.एस.बी. समाज-मैसूर हन्नि म्हळेले भक्तिगीत, 9-8-2015 कोंकणी ओव्यो, 23, 29-8-2015 तुळसीदास भजनां, भाग 1 - 2 (देवदत्त प्रभु, मंगळूर अनि सुमन बाळिगा बेंगळूर हन्नि म्हळेलें) अस्सिले।

दन्तुम्बर

- गीता बालकृष्ण प्रभु, एरणाकुळम

सान चेर्डाक दन्तुम्बराक दीवो दकोंचे वेळेरि म्होणुक शोभान्

श्री वेणु गोपालाक बाल मुकुन्दाक
सुगन्ध पुष्पारति शोभाने ओवाळिन
जय कृष्णा जय जय कृष्णा ।।1 ।।

कंसाले कारागृहान्तु जन्मु घेत्तल्याक
देवकि वासुदेवाक दर्शन दिल्लेल्याक
चतुर्भुज रूपान अवतार घेत्तल्याक
तुप्पाची आरति शोभाने ओवाळिन
(जय कृष्णा) ।।2 ।।

वन्नाचो गाडो घेवनु गन्धर्वांक मोक्षु दिल्लेल्याक
रेंव खेल्लेले तोणान्तु त्रिभुवन दर्शेल्याक
पूतनेक सोसिल्याक मोक्षु दिल्लेल्याक
कुंकुमेची आरति शोभाने ओवाळिन
(जय कृष्णा) ।।3 ।।

दुष्ट शाकटासुराक भञ्जन केल्लेल्याक
काळियाक मर्दन कोर्नु गोवाळ्यांक रकिल्याक
गोपस्त्रीयांक मेळनु रासलीला रचिल्याक
भंगराची आरति शोभाने ओवाळिन
(जय कृष्णा) ।।4 ।।

गोवर्धन धारण कोर्नु गोपांक रकिल्याक
सुधामाले फोवु खावनु सौभाग्य दिल्लेल्याक
श्रीवत्सलांचन हृदयारि दर्शेल्याक
धूपारतिचे दीप शोभाने ओवाळिन
(जय कृष्णा) ।।5 ।।

गोश्रीपुरेशा

- पत्मप्रभा, कोच्ची

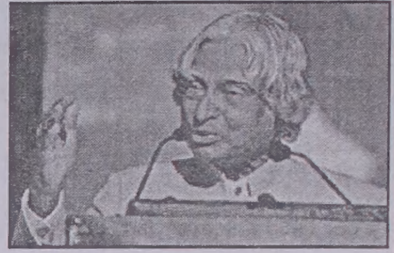
करुणासागरा गोश्रीपुरेशा
दीनदयाळा श्रीवेंकटेशा
सुखसमृद्धी तूँ
दिंवचे वेळेरि (2)
भक्ति तुज्जेरि दिस्सोंवका
दुःख समुद्रांतु बुड्डुचे वेळेरि
पावनु तूँ रक्षण कोरका
गोविन्दा गोश्रीपुरेशा
मिगेले मन्नान्तु वासु तूँ कोरका
शान्ति समाधान दींवका
अन्त्यकालारि तुज्जे
चरणारि स्थान
तूँ मक्का देवा रक्कूका
गोविन्दा श्रीवेंकटेशा...

क्षमेची सीमा

- कु. अञ्जली किणी, कोच्ची

मांदून घाल्लेले सूण्याक चोवनु
मांकडान वोच्चून भुरकीलें
सूण्याक घाल्लेले सीत खावनु
ताक्का चाळोवनु दाकयलें
भोंकि आयकून किर-किर जावनु
बालय हाल्लोवनु दाकयलें
संकाळ तुण्टोवनु सूण्यान येवनु
केवले चावप चाब्बीलें । ०

कलामालिं सुवचनँ -



"Dream Dream Dream....
Dreams transform into thoughts
And thoughts result in action...."

"सोप्पन सदा चोय्ताचि रब्बायि....
सोप्पन विचार उत्पन्न करता
अनि विचार कृत्यनिर्वहणा रूप घेत्ता...।।"

- अनिता डी. किणी, कोच्ची

लोकान्तु यें सहज

- विलासिनी एन. नायक, कोच्ची

लोकान्तु यें सहज - "चंगाक अस्स मार्ग चड"
बलाव हंगा वडतले - निष्प्रयास अप्पाप !
कीडि पडत्तलि चांग सरस्यांक - फुलांक
'खोरजुवाळी' नाका एक सरी क्षुद्रप्राण्याक !!

रुकाक केद्दाण धर्त्ता गोड-रसाळ फळ
मारत्तलीं बडत्तीयो तंका सान-वोड बाळ।
फूल केद्दाण जत्ता, सुन्दर-मधुर म्होवाळ,
भ्रमर पावत्तलो खंडित ते करूक चूषण।।

पुर्विल्यानी संगूची 'म्हण्णी' ती थेठ,
चांगाक फाटी घेतलीं सदा विध्वंशक विमर्शक।
युग पुरुष सरी एदोळ जल्लेनाय तका अतीत,
चरित्र, पुराण, इतिहास-दित्ता हक्का निधान।।

जल्यारी, चांग रूक केद्दाण दित्ताय कोडु फळ ?
फूल केद्दाण दित्ताय भ्रमराक घोर-विष ?
सन्त सज्जन करनाय कसलो विरोध-प्रतिकार !
विमर्शकांकय चांगपण करचेची तांचे ध्येय !!

केरळ-कर्नाटक कोंकणी

- गुरुदत्त एस. प्रभु, कोच्ची

गुड्डोळो - गुट्लो
गाळचें - गाळें
असडप - असूडचें
अग्गा - वैग्गा
गिबॅसॅणि - उश्या चीरि
आडांबो - चुळुको/ चिळको
उकडप - सिझोवप

कोंकणी जोड पदां गोंचो

- नागेश आण्वेकार, कारवार

सुकति - भरति
देव - धर्म
वयर - सकल
खाणे - पिणे
षेळे - मेळे
मांकड - कुंकड
भांगर - शिंगार

गोंय आनी केरळ कोंकणींतलें अंतर

- एन. बालकृष्ण मल्या, कोच्ची

शकना = जायना
येवजप = आठोवप, लेकप
चिकाटी = हठ, निर्बन्धु
खंत = पश्चात्तापु / दु:ख
सोंपोवप = पूर्ण करप / रब्बोवप
आस्त = विश्वास, अभिरुची
पांवड्यार = स्तरार

*



गुल्लीयो कित्ति सांगताय - 15



एन. बालकृष्ण मल्या, कोच्ची

ग्रहांचें बळ

बहु प्रकारान ग्रहांक बळ अस्तलें. हांतुं प्राधान्यत: स्थान बळ, दिग्बळ, कालबळ, चेष्टाबळ, अयन बळ, उच्चबळ, नैसर्गिक बळ आनी चन्द्राक मात्र आसुच्चें पक्षबळ.

1. **स्थान बळ** :- उच्च, बन्धुक्षेत्र, मूलत्रिकोण, स्वनवांशक, स्वक्षेत्र, स्वद्रेकाण, हांतु खयींच एक ग्रह आसुच्चें ते ग्रहाक स्थान बळ दित्ता.

2. **दिग्बळ** :- लग्नाक (प्रथम स्थानाक) पूर्व दिशा जावनूय थंय थकून 10 वी राशि दक्षिण जावुनूय 7 वी राशि पश्चिम जावनूय 4 ती राशि उत्तर जावनूय लेकून काडचे विधिप्रमाणीं पूर्व भागारि बुधु आनी गुरु, दक्षिणारि सूर्या आनी कुजु, पश्चिमारि शनी, आनी उत्तर भागारि चन्द्रु आनी शुक्रु राबतासतना बळ मेळ्ता. खंयचय ग्रहाकय एक स्थान बलवन्त म्हळ्यामर्दी ताजे 7 वी राशि दुर्बळ तां आसतली. *(शेष लगी अंकान्तु)*

ग्रन्थ परिचय
- के. अनन्त भट्ट, कोच्ची

(जूण 2015 अंक थकून...) ।। श्रीरामचरितमानस ।।

श्री रामजन्मविषयांतु एकु दोहा आनी चौपाई हांगा प्रस्तुत करतां

- दोहा : **जोग लगन ग्रह बार तिथि सकल भए अनुकूल**
चर अरु अचर हर्षजुत राम जनम सुखमूल।।

योग, लग्न, ग्रह, वार आनी तिथि - हें सर्वयि अनुकूल जाल्लीं। चराचर जगत् म्हळ्यारि जड आनी चेतन सर्वयि सन्तोषान भरले। कसल्याक म्हळ्यारि श्रीरामालो जन्मु सुखाक कारण।

चोपाई : **नौमी तिथि मधु मास पुनीता। सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता।।**
मध्यदिवस अति सीत न घामा। पावन काल लोक बिश्रामा।।

पवित्र जान्स्सिल्लो चैत्र मासु आस्सिलो, नवमी तिथि आस्सिली, शुक्लपक्षु आनी देवाले प्रीतीचो अभिजित् मुहूर्तु आस्सिलो। देन्पारां वेळु अस्सिलो, चड ठंडीयि वोत्तयि ना आस्सिलें। हो पवित्र समयु जगांतु सर्वांक शान्ति दिंवचो आस्सिलो। तावळि परमात्मा कौसल्ये मुकारि चतुर्भुज स्वरूपी जान्नु प्रकट जाल्लो :

छंद : **भए प्रकट कृपाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी।**
हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी।।
लोचन अभिरामा तनु घनश्यामा निज आयुध भुजचारी।
भूषन बनमाला नयन बिसाला सोभासिन्धु खरारी।।

दीन दुखियाँचेरि दया दवोर्चो कौसल्येक हित करचो कृपालु रामचन्द्रु प्रकट जाल्लो। मुनिजनांगेले मनांक हरण करचे श्रीरामागेलें अद्भुत रूपाचो विचारु कोर्नु आव्सूक भारी संतोषु जाल्लो। दोळ्यांक आनन्दु दिवचें मेघाचे समान श्यामळ शरीर, आपण्याले चारि भुजांतुयि आयुधँ धारण केल्लोलो, दिव्य आभूषणँ आनी वनमाला धारण केल्लोलो, विशाल दोळे आस्सिलो सौन्दर्याचो समुद्रु आनी खर राक्षसाक संहारु केल्लोलो देवु श्री रामचन्द्रु प्रकट जाल्लो। *(शेष लगी अंकान्तु)*



उपायु....?
- यु. के. पै, पुत्तूर (कर्नाटका)

मेगेलि मोगाचि अम्मा !
येत्ता पळे अत्त गुम्मा
म्होणु संगिले तक्षण
भायर सरता
शाळेक सानु तम्मा।

गोंय : अर्थ प्रकाशन आयोजित कै. रमाकान्त वेर्णेकर यादस्तीक 'अखिल भारतीय कोंकणी कविता सर्त' 20-8-2015 श्री मल्लिकार्जुन महाविद्यालयाचे सभाघरांतु जल्लें।

21-8-2015 मडगांवचे विद्यानगराचे कोंकणी भवन हंगा भाषण सर्त चम्केय्लें।

तक्का अंबट

बायलाँ खातिर (ददल्यांकय)

- पत्मजा कामत, दिल्ली

सामग्री

1.	काचिल कणंग	- 250 ग्रां	7.	तेल	- 2 चिपट
2.	अवळ्या मण्डे	- 50 ग्रां	8.	ससं	- ½ चिपट
3.	कुवाळें	- 250 ग्रां	9.	जीरें	- ½ चिपट
4.	नार्लु	- 1 वोळें	10.	करबेवा पत्ती	- 1 देण्टु
5.	ताक अंबसले	- 100-150 मि.लि.	11.	मीट	- आवश्याक
6.	सुक्की मिरसांग	- 3 - 4			

नर्ला सोई, मिरसांग लान कोर्नु वट्टून मस्सोलु कोर्का।

काचिल कणंग सालि परघाल्नु उदकान्तु धूवनु बेड्डुप कोर्का। चतुरायेन (एक इन्च) कुटके कोर्का। कुवळ्याचे चतुरायेन पत्तळ कुटके कोर्का। मण्डे पतळ बॉळूक कोर्नु शिन्दूका। ये सर्वय आवश्याक उदकान्तु चंग प्रमाणि सिझोवंका। नन्तर नर्ला मस्सोलु तन्तु मेळोंव्का। मीट घालूक विसोरु नज्ज। एक उण्डाळो काणु उज्जारि थकून खल्ला काड्का अनि ताक तन्तु मेळोंव्का। एक पांच मिनिटानि उपयोग कोर्यात।

केरळचे बरोवप्याँ लगी

केरळ कोंकणी अकादमी प्रतिवर्ष "पंडरीनाथ भुवनेन्द्र पुरस्कार" दीव्नु एत्ताथि। 2015 चे पुरस्काराक लघु गद्य कृती पेटोव्नु दिंव्वाक अपेक्षा करताय।

- केरळचे बरोवप्याँक तँ ये गद्य सर्त।
- काणी, नाटक, प्रबन्ध, यात्रा विवरण - इत्यादि 20 पन्ना पत्ती (20 Full scap papers) चड जंव्वा नज्ज।
- पन्नाचे एक भागान मात्र बोरोंव्का।
- बरोवप्यालें नाँव, पत्तो आदी वेगळेचि पन्नार बोरोंव्नु कृती लगि दवोर्का।
- कृती मेळका जल्लेली अंतिम तारीक 2015 ओक्टोबर 31.
- कृती देवनागरीन जांव्का बोरोंव्वाक।
- पेटोव्नु दींव्का जल्लोलो पत्तो - श्री. जी. मोहन रावु, सन्केतं, IX/1110 B, अजन्ता लेन, कोच्ची - 2. Phone : 0484-2229770



"अहिं नृपं च शार्दूलं विटं च बालकं तथा।
परश्वानं च मूर्खं च सप्त सुप्तान्न बोधयेत्।।"



ये सात जनांक निद्रा थकूनु जगोव्चांक पणा - सर्प (दिवोड्ड), रायु, वाघु, गन्धार्ली मूसु, चेर्डु, अन्याले श्वान अनि बुद्धि नत्तिलो (इत्या म्हळयारि हंका असमयारि जगेयलारि आपत्त तं)।।

औषद पंक्ति- 43

अज्जेलीं वोक्कदा

(मुत्तश्शि वैद्यं)

सुशीला टी. भट्, कोच्ची

(किरलो...) वोक्कदां :- सर्व प्रथम जावनु मलबन्धाक हेतु जवंची खाणां, चढी अंबसाणी, तिकसाणी, तळ्ळेलीं खाणां इत्यादी वूणे कोरका. चोंच चढ आसिल्यो सब्ज्यो (रावंदयो) खांवकाय. उद्दाक चढच पीवंका. एद्दे आहार, उपचार सकल बरेयतां.

(1) गोड आनीक मेणांय :- गोड मेणांयांत गोड्डा कुट्टूको खीरोवनु रित्ते पोट्टार पीववप. हेंच संजेचे स वरां फूडेच जावनु एक खोल्लो लागेन पीवयात. किरल्यांक शमन मेळता.

(2) केळीचो गब्बो :- केळी गब्ब्याचें पोळतें, सुक्कें, उपकरी इत्यादी तराच्यो रवंदयो रोग्याक सप्ताहान्तु चार-पांच फन्ता पुणीय दीवंका. गोड-सोयी घालनु गब्ब्याचें गोड सुक्केंय दीवयात.

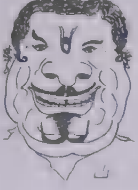
(3) तरा-तराचे भज्जेन कोरच्यो रांवदेयोय उत्तम तां. जल्यार तेऱ्या पन्नाची विभवां खावनत्तिल्लें रब्बुच्चेंच चांग. तें दोषु करता.

20-8-2015 - कोंकणी साहित्य अकादमी - केरळ हंगेले आभिमुख्यार 'कोंकणी मान्यता दिवस' मनायलें। कोच्ची नरसिंह प्रसाद हाळान्तु दवोर्नु पद्मश्री एन. पुरुषोत्तम मल्या हन्नि उद्घाटन केल्लेले कार्यक्रमान्तु रमेश भगवंत वेळुस्कार (गोंय) मुखेल सोयरे अस्सिले। नन्तर कवि सम्मेळनय चम्केयलें।

शेणै गोयंबाब कथामाळ

गोयचें कोंकणी भाषा मंडळ हन्नि 15 वर्ष जाव्नु आयोजन कोर्नु एंवचे ह्यें सर्त अंदु 31 आगस्टान्तु जाव्नु उपरांत ६ सेप्टम्बराक राज्य पावंड्यावेली सर्त जत्ता। एकच दिसा गोंयच्या बाराय तालुक्यांनि 15 केन्द्रान्तु हजारा भायर विद्यार्थियांनि भागु घेंवचे ह्ये सर्तेक 145 परीक्षक अस्सय खंय। चेर्डुवांक तय्यार कोरूक शिक्षकांचो दोनि कार्यशाळाय जल्या।

रस्पति - आर. के. प्रकाश, पळ्ळूर



Dr. P. N. N. सिंह
डॉ. प्रश्नु ना नरसिंह
SSLC, PDC, BSc.,
MBBS (3 times)

परमु : डॉक्टर, मक्का मसळीचय मांसाचय दुर्गन्ध पसन्द जायना। जाल्यारीय कसीय कोरनु खातां। तांचि दुर्गन्ध ना कोरूक इत्तें मार्गु ?

डॉक्टर - प्रश्नु ना, ऊणे परमळा स्प्रे मरल्यार पूरो।

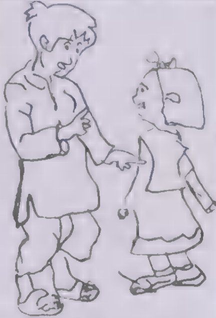
* * * *

गान भूषण बेब्बोमाम : डॉक्टर संगीत एक सागर म्हळेले वास्तव वे ?

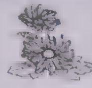
डॉक्टर- प्रश्नु ना, म्हणु जनांक तन्तु बुडोव्नु दिंवसी मारूक पाणा।

चेर्डुवांलि चित्रँ





कु. **वरुण एस. प्रभु (9)**, कोच्चीचे सन्तोष कुमार एस. प्रभु अनि रूपा हांगेलो सुपुत्र।



परणी म्हण्णी

- श्रीदेवी सुरेश प्रभु, कोच्ची

* कपलान्तु नत्तिल्याक
कोंकूनु घल्यारि वोंकूनु वत्ता।

* कर्मांतु बरेयलेलें
जन्मान्तु सुंटना।

* कपला बोरो
कोणे धर्ल्यारि रबतोलो ?

* कर्म धुल्यारीयि परिहारु ना।

* कर्म तकीतँ फलँ।

हे उठ तूँ !

- ए. पी. भानुप्रकाश, पच्चाळम, कोच्ची

हे युवक उठ तूँ उठ तूँ, आलस्य सोणु तूँ
जागृत जा तूँ, सदा जागृत जा तूँ
पशुपक्षि न्हय तूँ, मनीस जन्मु तुका,
आसा तुका बुद्धि आनी चिन्ता शक्ति
विज्ञान प्राप्त कर तूँ
कर तूँ सदा श्रेष्ठ काम.

*

आळें (കടങ്കഥ / Riddles)

आर. तारा वाई, कोच्ची

पोट एक, तोण्ड दोनि
पोट्टान्तु भोर्नु चेर्डुवँ

उज्जापेट

भक्तिगानमाला

- वी. सोमलता आचार, कोच्ची



महामायेले नमन कोर्का
तिग्गेले-चरणारम्मी शरण एवंका (महा)

देवीलि दया, जांवका जल्यारी
दुर्ग्गादेवीलि स्तुति म्हणायि (महा)

कष्टां थकूनु रक्षण कोर्ची
सदाकालारि अम्मि उळदील्यार पंवची (महा)

त्रैलोक्य जननी महामायि
ॐ शक्ति ती सुन्दर मूर्ती (महा)

सान व्होड चेर्डुवाळांक
सर्वय कालारि रक्कूचि देवी (महा)

देवीलि स्तुति भक्तीन म्हळ्यारि
मुक्तीक कारण अवंका देवि दित्तली (महा)



कृष्ण कृष्ण...

- बी. रत्ना बाई, कोच्ची

कृष्ण कृष्ण कृष्ण दिव्यनामस्मरण
जपिल्यारि भक्तीन जत्ता दुरितहरण (कृष्ण)

देवकि वसुदेवनन्दन कृष्णा
दी दरिशन श्रीमन्नारायणा (कृष्ण)

पीताम्वरधारि मुरळीधारि
राक सदा अंका शंखुचक्रधारि (कृष्ण)

तुग्गेले चरणारि करि तू लीन
सर्वकालारि कृष्णा अंचे ये मन्त्र (कृष्ण)

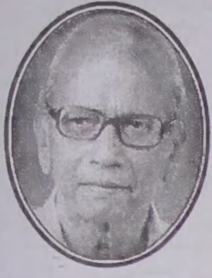
अरे व्हलेकारा

- विठलराय भट, कारवार

अरे व्हलेकारा रे ! ऊ ऽ य
अरे व्हलेकारा रे
किते रे धनिया ?
पयल्या खेपेक
बाय येता कुळारा
अशें ? येवुंदी, येवुंदी
तिगेल्या घोवाक कोंकण दाकय म्हरे
बरें बरें



कोंकणातली निसर्ग शोभा भोव बरी
तान भूक निवयता खबर खरी
नाल्ला माड, सुपारे बाग, काजुफोगां
आंबे, फणस, भिरंडा, जांबळां, बोरां
झुळुझुळु व्हावतात कितल्यो न्हयो नितळ
शरावती, अघनाशिनी, काळी आणि गंगावळी
फुलाफुलांनी घमघमतां आमचे कोंकण रे
वोवळां, प्राजक्तां, सुरंगा, कुडचापीं आणि
आबोली रे
भोंवताना तांका तान लागतली रे
होड्येत भरपुर शिंयाळी दवर रे
जावयं मनशा खातेर पागोन हाड रे
सुंगटां, ताल्ले, नगल्यो, शेवटे आणि बांगडे रे
अरे व्हलेकारा
ऊ ऽ य
धुवेल्या हातान दितलो तुका आहेरु
जायत धनिया देव तांका बरें करूं



वासुदेव वामन शेणै (15/2/40-9/3/2015) -सुरेश ए. शेणै, कोच्ची

वी.वी. शेणै म्हळ्यार - विद्याभ्यासविचक्षणु, जनसेवकु, संघाटकु, कोंकणी-कन्नडा भाषा प्रवर्तकु, पत्रकार अनि परिस्थिति स्नेहकु अस्सि सग्ग बरैता वोच्यात। कर्नाटकान्तुले कार्कळ तालुकान्तुले बोरकट्टे गावान्तु जन्मु। बोरकट्टेचे Elementary School, SVT H. E.S. होनावराचे सेन्ट थोमस विद्यालयान्तु, दंडेलीचे जनता विद्यालयान्तु अनि बेळगांवचे RLS College न्तु BSc. विद्याभ्यास। मगीरि B.Ed. केल्लें। 1976 न्तु अरुणा लगि लग्न जल्ले अनि तंका तीनि चेर्डूवँ - 1 चेल्ली, 2 चेल्ले। मणिपालचे 'उदयवाणि' कन्नड दैनिक, हुब्ळीचे 'नवनाडु' दैनिक, हुब्ळीचे 'विशाल कर्नाटका', पण्जी(गोंय)चे 'गोमंतक टायम्स', बंग्ळूरचे 'ज्वालामुखी' दैनिक हन्तु सग पत्रकार जाव्नु काम केल्लें। 1968 न्तु बेळगांवान्तु (Shanivar Khoot, Kakatives) 'स्टुडंट इन्फर्मेशन एण्ड गाय्डन्स ब्यूरो' स्थापन केल्लें। तज्जान कर्तना सुमार 8 लक्ष जनांक प्रयोजन जल्ला खंय। सस्य-लतादीचेरि तात्पर्य अस्सिले अनि (750 Sq.ft रि) 'पंचवटी टेरस गार्डन्स' (सस्यकाशी) कोर्नु विख्यात जल्ले अनि दुस्सर्यांक प्रचोदन दिल्लें। सुमार संस्थेचे ते संस्थापक व सदस्य, कार्यदर्शी असि सग अस्सिले। बेळगांव प्रेस क्लब्बाचे कार्यदर्शी, कानरा कळ्चरल अस्सोसियेषनाचे कार्यदर्शी; कलासंग, साहित्य संपदा, स्टुडंस हेल्पलैन, बेळगांव जिल्ला होर्टिकळचर सोसैटि हज्जे सग डायरक्टर, बेळगांव जिल्ला कन्नड साहित्य परिशद, भारतीय विद्याभवन-बेळगांव केन्द्र हज्जे सग्ग सरकार्यदर्शी, NORMCO, SPOCO हज्जे स्थापक डायरक्टर अस्सि सग्ग। कोंकणी सेवाकार्य संगता जल्यार - बेळगांव जिल्ला कोंकणी परिशदेचे स्थापक अध्यक्ष, कर्नाटक संस्थानाचे कोंकणी भाषेचे पाठ्य पुस्तक समितीचे सदस्य, अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेचे विविध पदवींचेरि, 1995 न्तु मंगळूर जल्लेले प्रथम विश्व कोंकणी संमेळनाचे बेळगांव प्रादेशिक समितीचे कार्यदर्शी, 28 फेब्रुवरि थकून मार्च 2, 2014 थांयि बेळगांव चम्कीले अ.भा.को.प. - 29 वें अधिवेशनाचे येवकार समिति अध्यक्ष - सग जाव्नु सजीव अस्सिले। उत्तर कर्नाटकान्तु कोंकणी भाषा अनि संस्कृतीचे विकासा खातीर तन्नि केल्लोलो प्रयत्नु मोलादीक अस्स। 28-3-2010 क कर्नाटका सरकारान तंगेले ह्यो प्रवर्तना बगेक तंका "कोंकणी अकादमी जीवन गौरव पुरस्कार" दीव्नु सन्मानु केल्लो। 1999 विश्व सारस्वत संमेळनान्तूयि तंका सन्मान केल्लोलो अस्स।

75 वर्ष प्रायेरि ते बेळगांवान्तु दवोर्नु अपण्याली सेवा पूरो कोर्नु यो लोकु सोणु गेल्ले।

देवु भक्तालो दासु !!!

- गोश्रीपुरं हरिकुमार

एकु उत्तमोत्तम भक्तु। इहलोकु सोडचो वेळु....
विष्णु स्वयं एव्नु तक्का घेवनु वत्ता।
वत्तास्तना संगता -

चोयि ! तुगेले जीवित अंकित जल्लेलें !
पादमुद्रणे रूपान.... सानप्रायि धोर्नु हांवचि
तुक्का हत्ता धोर्नु भोंवतालो। एक कालाक
हांवे हातु सोळ्ळोल् ना... कळ्ळें वें ?..

प्राणि चोय्ता... एकु संशयु.... मद्धें एकडे एक जोडि पादमुद्रण मात्र... तो तगेलो बहु कष्टा समयु तँ अस्सिल्लो....
तो निंगीता -

मद्धें एक जोडि
म्हूं दिक्कूक पडता?..
ते समयारि तूं खंय
गेल्लोलो देवा ?

ते वेळेरि हांव तुक्का हल्लडि
(हण्डीरि) काणु तँ भोंवतालो...
तीं दिक्कूक एवंचि पादमुद्रण
मेगेलीं तँ !!!

Reg. No. KERKON/2012/45527
Vol. No. 4 Issue No. 9
Rs.5/-

Registered - No. KL/EKM/732/2015-17
Licence No. KL/CR/EKM/WPP.04/2015-17
Licensed to Post without Prepayment

SPANDAN

Published by : KERALA KONKANI ACADEMY, KOCHI

10th September 2015

Printed and published by Suresh A. Shenoi on behalf of Kerala Konkani Academy and Printed at M/s. Prakash Process, Srinivasa Mallan Road, Ernakulam, Kochi - 682 035, Ph : 2350960 and Published at 8/28, Santheri,1st Floor,Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road, Kochi - 682002. Editor - Suresh A. Shenoi